



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 835]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 12, 2017/आश्विन 20, 1939

No. 835]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 12, 2017/ASVINA 20, 1939

संचार मंत्रालय

(दूरसंचार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 2017

विषय : दिनांक 10.02.2016 की अधिसूचना सं. 190 (अ) से संबंधित दिनांक 23.02.2016 के प्रकाशन सं 122 के लिए शुद्धिपत्र

सा.का.नि. 1245(अ).—दिनांक 23.03.2016 को भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग-II, खंड 3 (i) में प्रकाशित दिनांक 10.02.2016 की अधिसूचना सं. 190 (अ) में **संक्षिप्त शीर्षक और प्रारंभ** शीर्ष वाले पैरा (1) के उप-पैरा (1) में “इन नियमों को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (अंशकालिक सदस्यों को भत्ते) संशोधन नियमावली, 2015 कहा जाए” शब्दों के स्थान पर “इन नियमों को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (अंशकालिक सदस्यों को भत्ते) संशोधन नियमावली, 2016 कहा जाए” पढ़ा जाएगा।

[फा. सं. 10-10/2015-पुनर्गठन]

अमित यादव, संयुक्त सचिव (प्रशासन)

नोट : मूल नियम दिनांक 18 अगस्त, 2000 के सा.का.नि. सं. 666(अ) के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण के भाग- II के खंड-3, उपखंड (ii) में प्रकाशित हुए थे।

MINISTRY OF COMMUNICATIONS**(Department of Telecommunications)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 10th October, 2017

Subject : Corrigendum to Publication No. 122 dated 23.02.216 relating to Notification No. 190(E) dated 10.02.2016.

G.S.R. 1245(E).—In the Notification No. 190(E) dated 10.02.2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3(i) dated 23.02.2016, the words in sub-para (1) of para 1 titled **Short title and commencement** shall be read as **“These rules may be called Telecom Regulatory Authority of India (Allowances to part-time members) Amendment Rules, 2016”** instead of **“These rules may be called Telecom Regulatory Authority of India (Allowances to part-time members) Amendment Rules, 2015”**

[F. No. 10-10/2015-Restg.]

AMIT YADAV, Jt. Secy. (Admn.)

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), *vide* number G.S.R. 666(E), dated the 18th August, 2000.